ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 261283436 रेलवे : 62731
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579 रेलवे : 62101, 62158
फॅक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 23 | अंक : 90 | जुलाई–सितंबर 2019

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन | To Beam as a Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार
2. संस्थान में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 144वीं बैठक का आयोजन
4. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन
5. इरिसेन में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का आयोजन
6. संस्थान में नीति शास्त्र पर व्याख्यान
7. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक सम्मान
8. 64वां वार्षिक रेलवे राष्ट्रीय सप्ताह पुरस्कार
9. स्वागत/विदाई
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

1. मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार



दिनांक 12 एवं 13 सितंबर, 2019 को प्रशिक्षण प्रबंधकों/मुख्य सामान्य इंजीनियरों के सेमिनार का आयोजन किया गया। निदे./सि.इंजी. (सा.) एवं कार्यकारी निदेशक (भू.एवं अधि.) ने भी इस सेमिनार में उपस्थिति दर्शायी एवं प्रतिभागियों को संबोधित किया। विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के मुख्य सामान्य इंजी. ने सेमिनार में हिस्सा लिया। सेमिनार में विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के प्रशिक्षण निष्पादन, वर्ष 2020 के लिए पाठ्यक्रम कैलेंडर एवं प्रशिक्षण मॉडयूल, 'ग्रुप सी' कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण मॉडयूल एवं कार्यान्वयन रणनीतियों के बारे में संकाय अध्यक्ष द्वारा डेमो, जीसीसी में हाल ही में हुए बदलाव के संबंध में 'विवाचन प्रावधान एवं विवाचन एवं रिकन्सिलेशन एक्ट' द्वारा श्री संजय खरे, वरिष्ठ प्राध्यापक, इरिसेन इसके अलावा क्षेत्रीय सिविल इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। सेमिनार की सार्थकता को देखते हुए इसकी बहुत सराहना की गई।



संरक्षक
अजय गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

2. संस्थान में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन



संस्थान में दिनांक 15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। श्री अजय गोयल, निदेशक/इरिसेन ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

तदुपरांत खेल प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम रखा गया। खेलकूद के कार्यक्रम में रस्साकसी, लेमन स्पून, बच्चों के लिए मनोरंजक प्रतियोगिताओं एवं अन्य कुछ नई प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन हुआ।



सभी कार्यक्रमों में संकाय सदस्य गण, प्रशिक्षु अधिकारी गण, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिस प्रकार से नाम, प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए शिक्षा आवश्यक है उसी प्रकार से स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए शारीरिक गतिविधि में शामिल होना चाहिए जिसके लिए खेल सबसे अच्छा माध्यम है। एक व्यक्ति के लिए खेल बहुत से तरीकों से लाभदायक होता है। यह न केवल शारीरिक ताकत प्रदान करता है बल्कि यह मानसिक शक्ति को भी बढ़ाता है। खेल राष्ट्र एवं समाज के लिए विभिन्न मजबूत और अच्छे नागरिक प्रदान करता है।

संस्थान में सभी आयु के बच्चों से लेकर वृद्ध सज्जनों द्वारा खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया एवं सभी खेल प्रतियोगिताओं का आनंद उठाया।





3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 144वीं बैठक का आयोजन

संस्थान में 13 सितंबर, 2019 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 144वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि सप्ताह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले राजभाषा की प्रगति के लिए और अधिक रास्ते तलाशे जिससे हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। संस्थान की वेबसाईट को पूर्णतया द्विभाषी बनाया जाए एवं ई-ऑफिस में नोटिंग के लिए हिंदी विकल्प का चयन किया जाए जिससे हिंदी में आसानी से नोटिंग लिखी जा सके।



उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं बैठक के उपाध्यक्ष श्री शरद कुमार अग्रवाल ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में राजभाषा सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर सभी का स्वागत किया। अपने संबोधन में राजभाषा के महत्व को बताया कि मनोरंजन की दुनिया में हिंदी यह सबसे लोकप्रिय भाषा बन गई है। सभी विज्ञापन हिंदी के माध्यम से दिए जाते हैं और सरकारी कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजभाषा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। प्रश्न मंच में सभी सदस्यों को हिस्सा लेने एवं राजभाषा की प्रगति में सहायक बने यह हम सभी का कर्तव्य है तथा राजभाषा सप्ताह के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं।

राजभाषा के कार्यान्वयन हेतु पीसीडीओ फॉर्मेट द्विभाषी बनाना, ट्रैकमेन के लिए स्लाइड शो हिंदी में तैयार करना, ई-ऑफिस में पत्राचार होने से हिंदी में नोटिंग के अन्य विकल्प बताए जाएं। प्रोत्साहन पुरस्कार योजनाओं में हिस्सा लेने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया जाए इत्यादि महत्वपूर्ण निर्णय निदेशक महोदय एवं संकाय अध्यक्ष द्वारा लिए गए।

4. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे में दिनांक 13 सितंबर से 20 सितंबर, 2019 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। संस्थान में दिनांक 13 सितंबर 2019 को राजभाषा सप्ताह का उदघाटन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर किया गया।

श्री अजय गोयल, निदेशक इरिसेन, पुणे ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर विधिवत राजभाषा सप्ताह का शुभारंभ किया।

दिनांक 16 सितंबर को प्रश्न मंच का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षु अधिकारी गण एवं इरिसेन के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। दिनांक 20 सितंबर, 2019 को राजभाषा सप्ताह के समापन समारोह में कविता पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित पुरस्कार वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विभिन्न सामाजिक पहलुओं को कविताओं द्वारा दर्शकों के समक्ष रखा गया था।







संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोजेक्ट श्री राजेश कुमार शेखावत, श्री अफजल निजामी ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की एवं मधुर संगीत के साथ श्री आर. के. सिंह, वरिष्ठ अनुदेशक द्वारा गीतों की प्रस्तुति की गई।

सभी कार्यक्रमों में अधिकारी वर्ग, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे टिप्पण आलेखन, निबंध, वाक इत्यादि में भाग लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों में से विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। वर्ष-2018 में हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु अधिकारी वर्ग में श्री ए. सिवाकुमार, प्राध्यापक- कार्य, श्री नरेन्द्र मेहेर, वरिष्ठ अनुदेशक (सि. एवं दू.), श्री संजय कुमार सिन्हा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (कंप्यू.) को पुरस्कृत किया गया।

5. इरिसेन में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का आयोजन

इरिसेन में दिनांक 11 सितंबर से 02 अक्टूबर 2019 तक 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का आयोजन किया गया। संस्थान के सभी अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारी, कर्मचारी गण एवं परिवार के सदस्यों सहित इस कार्यक्रम में उपस्थिति दर्शायी।



दिनांक 16 सितंबर, 2019 को श्री अजय गोयल, निदेशक/ इरिसेन ने संस्थान के प्रांगण में 'स्वच्छता ही सेवा' की शपथ सभी उपस्थित सदस्यों को दिलाई। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने छात्रावास, स्पोर्टस् काम्पलेक्स, लॉन में साफ-सफाई के लिए श्रमदान किया। संस्थान के सभी सदस्यों के द्वारा संस्थान परिसर में श्रमदान का कार्य किया गया। साथ ही दिनांक 16 सितंबर, को 2019 पर्यावरण की दृष्टि से परिसर को सुंदर बनाने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा' मुहिम में शामिल हों और बढ़ायें एक कदम स्वच्छता की ओर।





पूर्व **पश्चात**

सभी कर्मचारियों ने अपने सेक्शन में साफ-सफाई का कार्य किया। दिनांक 17 सितंबर, 2019 को संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया साथ में संस्थान में प्रतिदिन साफ-सफाई का कार्य करने वाले हाऊस कीपिंग स्टाफ के सभी कर्मचारियों को भी इस कार्यक्रम में शामिल कर हिंदी एवं मराठी में सेमिनार का आयोजन किया गया। संस्थान के वरिष्ठ अनुदेशक श्री सुनिल पोफले, श्री अनंत दसरे, श्री राजदीप शर्मा, संकाय अध्यक्ष श्री रमेश पिंजानी अध्यक्ष महोदय ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

6. संस्थान में नीति शास्त्र पर व्याख्यान



संस्थान में दिनांक 28 अगस्त, 2019 को लेफ्टनंट कर्नल श्री एलन बर्बी, आई जी सेंटर फॉर गवर्नेंस, पंचगणी ने इथिक्स पर अपना व्याख्यान दिया।

व्याख्यान में संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी गण एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। अपने व्याख्यान के दौरान आपने बताया कि हमारे जीवन में कार्य के दौरान कुछ ऐसी समस्याएं आ जाती हैं जिसे हम ना भी नहीं कह सकते और हां भी नहीं कह सकते हैं। साथ ही कुछ ऐसे भी मामले होते हैं जो प्रशासनिक/संगठन के हित में लेने होते हैं लेकिन उसमें कानूनी बाध्यता आ जाती है। उसका निपटारा हम अपने विवेक एवं नियम की सहायता लेकर किस प्रकार कर सकते हैं। श्री एलन बर्बी ने इस विषय पर अपने महत्वपूर्ण टिप्स दिए जिसका उपयोग कर हम इन मुद्दों को आसानी से हल कर सकते हैं। संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विचारों के आदान-प्रदान की इस श्रृंखला की सराहना की गई।

7. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक सम्मान



भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न पुरस्कार योजनाएं लागू की गई है। इन्हीं योजनाओं में से एक वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने के लिए रेलमंत्री राजभाषा पदक से सम्मानित करने का प्रावधान है। संस्थान के श्री रमेश पिंजानी, संकाय अध्यक्ष को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता को देखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 के लिए **'रेल मंत्री राजभाषा पदक'** से सम्मानित किया गया। संस्थान की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

8. 64वां वार्षिक रेलवे राष्ट्रीय सप्ताह पुरस्कार



दिनांक 30 जुलाई, 2019 को 64वां वार्षिक रेलवे राष्ट्रीय सप्ताह पुरस्कार समारोह जमशेदजी भाभा थियेटर-एनसीपीए, मुंबई में आयोजित किया गया। इस भव्य समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष रेलवे बोर्ड श्री वी. के. यादव, रेलवे बोर्ड के सदस्य, रेलवे बोर्ड के सचिव, सभी जोनल रेलवे एवं उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक, भारतीय रेलवे के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा व्यक्तिगत विजेता एवं उनके परिवार के सदस्य अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनल रेलवे और उत्पादन इकाइयों के विजेताओं को प्रशंसा पदक, चेक और प्रमाण पत्र के साथ 133 व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए एवं 20 शील्ड उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संबंधित क्षेत्रों और उत्पादन इकाइयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों को प्रदान की गई। चार जोनल प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए पुरस्कार और 'समग्र दक्षता' के लिए प्रतिष्ठित 'गोविंद वल्लभ पंत शील्ड' भी शामिल है।

समारोह के साथ ही, नई पहल एवं अत्याधुनिक तकनीकों एवं उपलब्धियों को छत्रपति शिवाजी महाराज हेरिटेज हॉल में एक खुली प्रदर्शनी के रूप आयोजन किया गया। सभी रेलों के द्वारा अपने स्टॉल लगाए गए थे। भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी एवं इरिसेन द्वारा भी स्टॉल प्रदर्शनी में लगाया गया था।

64वां वार्षिक रेलवे राष्ट्रीय सप्ताह पुरस्कार समारोह के अवसर पर संस्थान में कार्यरत श्री ए. ए. निजामी, वरिष्ठ अनुदेशक-कंप्यूटर अनुभाग को ₹10,000/ नकद पुरस्कार, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। संस्थान की वेबसाइट को द्विभाषी बनाने, पाठ्यक्रम से संबंधित कोर्स प्लान प्रबंधन एवं डिस्पले सिस्टम से संबंधित सॉफ्टवेयर, मोबाइल साइट, छात्रावास Occupancy सॉफ्टवेयर, ट्रेनिंग Material, Trainees के लिए On Line बनाने इत्यादि कार्यों में इनका सराहनीय योगदान है। इरिसेन के कदम उन्नति की दिशा में ले जाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। संस्थान के अन्य सदस्यों के लिए आपके द्वारा किए गए कार्य प्रेरणादायी हैं। संस्थान की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

9. स्वागत / विदाई



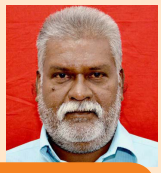
श्री प्रकाश उपाध्याय, प्राध्यापक/रेलपथ मशीन एवं संकाय अध्यक्ष/SSTW ने दिनांक 03 सितंबर, 2019 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप उत्तर मध्य रेल में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/आगरा के पद पर कार्यरत थे। श्री उपाध्याय, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1999 बैच के अधिकारी हैं। आपने पूर्व में मंडल इंजीनियर (ओपन लाईन)/इटावा, कार्यकारी इंजी. ट्रैक मशीन/झांसी, मंडल इंजीनियर/झांसी, वरिष्ठ कार्यकारी इंजीनियर/झांसी, उप मुख्य इंजीनियर/झांसी एवं प्राचार्य/IRTMTC/इलाहाबाद इत्यादि पदों पर कार्य किया है। आपने रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत सहायक मंडल इंजीनियर/इटावा में उत्तर मध्य रेल से की। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री अजय घोष,** सह प्राध्यापक/कार्य स्थानांतरण पर अक्टूबर, 2019 को आईसीएफ/चैन्नई भारमुक्त हुए। संस्थान की ओर से आपको हार्दिक शुभकामनाएं।



संस्थान में कार्यरत **श्री एस. आर. कुलकर्णी,** सह प्राध्यापक/वित्त एवं लेखा की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 जुलाई, 2019 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री राजू ताराचंद,** वरिष्ठ खलासी की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 जुलाई, 2019 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।

10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 19102 – समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम	द्वितीय	तृतीय
		
गिरराज सिंह	**पी.डी.सोनवणे**	**अनिल कुमार**
सहा.कार्यकारी इंजी./ नई दिल्ली/उत्तर रेल	सहा.मंडल इंजी./ दौंड/मध्य रेल	सहा. मंडल इंजी./ बरौनी/पूर्व मध्य रेल

सबसे अच्छा वैज्ञानिक अनुभव प्रेम से उन्मुक्त होता है – उसके लिए कोई भी विचार संभव हो सकता है। : रे ब्रॉडबरी

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे- 1 द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित